Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

(Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

(Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 6507

PAPER – III

PERFORMING ARTS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PERFORMING ARTS

DANCE / DRAMA / THEATRE

अभिनय कला

नृत्य / नाटक / रंगमंच

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

Note : This paper is of two hundred **(200)** marks containing four **(4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ **(200)** अंकों का है एवं इसमें चार **(4)** खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

COMMON TO DANCE / DRAMA / THEATRE
नृत्य / नाटक / रंगमंच के लिए सामान्य

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5 x 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5 x 5 = 25 अंक)

Bharata occupies a supreme place for being the master-developer of 'categories' for all the arts, particularly drama, dance, poetry, music. His distinction lies in his acumen for an uncanny precision in evolving a system of correspondence between the material, physical and the psychical, ethical and even spiritual (although the last is only implied in the text). He seeks to synthesize diverse disciplines, and asserts that the arts have the latency and potency of bringing together all aspects of life - from the physical to the psychical and even metaphysical - in a meaningful whole. The arts provide both pleasure and education and are a vehicle of beauty, duty and conduct. All this they (here, drama) achieve through the refinement of the 'senses', sense perception, particularly of the eye and the ear. Although Bharata speaks of theatre (nāṭya), it lays the foundation of a theory of art which is not restricted to a particular art.

भरत का सब कलाओं, विशेष रूप से नाटक, नृत्य, काव्य, संगीत की श्रेणियों के प्रमुख प्रवर्त्तक के रूप में सर्वोच्च स्थान था। उसकी विशेषता आर्थिक, भौतिक, मानसिक, नीतिपरक और यहाँ तक कि आध्यात्मिक (यद्यपि यह अंतिम थी जो केवल पाठ में समाविष्ट है) के समानान्तर एक व्यवस्था को अलौकिक सूक्ष्मता का कुशाग्र बुद्धि से विकसित करने में निहित है। उसने विविध अनुशासनों का विश्लेषण करने का मार्ग सुझाया और इस बात पर बल दिया कि कलाओं में जीवन के सभी पक्षों – शारीरिक से लेकर मानसिक और यहाँ तक कि तात्त्विक – को एक अर्थपूर्ण समग्रता में एक साथ लाने में अन्तर्हिति एवं सामर्थ्य है। कलाएँ आनन्द और शिक्षा दोनों देती है एवं सौन्दर्य, कर्त्तव्य और आचरण का चक्र हैं। ये सब वे 'संवेदनाओ', संवेदना के प्रत्यक्षण, विशेष रूप से आँख और कान के, सुरुचि के परिष्कार द्वारा प्राप्त करती हैं। यद्यपि भरत ने रंगमंच (नाट्य) के विषय में भी कहा है, इससे ही कला के सिद्धान्त की नींव पड़ी जो किसी एक विशेष कला से सम्बद्ध नहीं है।

1. Why do you consider Bharata as a master developer of Performing Arts ?
भरत कला प्रस्तुति के प्रमुख प्रवर्त्तक क्यों माने जाते है?

2. According to Bharata what we should think as Duty and Beauty ?
भरत के अनुसार कर्त्तव्य और सौन्दर्य के बारे मे हमें क्या सोचना चाहिए?

3. Why Bharata has Synthesized the other disciplines of life in his work ?
भरत ने अपनी कृति में जीवन के अन्य अनुशासनों का विश्लेषण क्यों किया है?

4. "Vibhava Anubhava Vyabichari Samyogat Rasanispatti". - Explain.
''विभाव-अनुभाव व्यभिचारी संयोगात् रसनिष्पत्तिः'' - विवेचन कीजिए।

5. Why Drama is considered as "Drishya-Kavya" ?
नाटक को 'दृश्य-काव्य' क्यों माना जाता है?

SECTION - II

खण्ड – II

COMMON TO DANCE / DRAMA / THEATRE

नृत्य / नाटक / रंगमंच के लिए सामान्य

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Give five points in favour or against 'Guru-Shishya' Parampara.
'गुरु-शिष्य' परम्परा के पक्ष-विपक्ष में पाँच बिंदु दीजिए।

7. Name five Indian Ragas which suits Mood Music.
मन:स्थिति के अनुकूल संगीत के पाँच भारतीय रागों के नाम बताइए।

8. Point out five differences between folk and classical.
लोक और परम्परागत के पाँच अन्तरों को रेखांकित कीजिए।

9. Give the Characteristics of Kathakali.
कथकली की विशेषताएँ बताइए।

10. Deduce the Common Points between Dance and Drama.
नृत्य और नाटक के पाँच समान बिंदुओं को बताइए।

11. Specify Abhinaya according to Natya Shastra.
नाट्यशास्त्र के अनुसार अभिनय क्या है? विशिष्ट रूप से विवरण दीजिए।

12. Explain two kinds of 'Vibhavas'.
दो प्रकार के 'विभावों' का स्पष्ट कीजिए।

13. Define Prakarana as it is referred to in Dhananjaya's Dasharupaka.
धनंजय के दशरूपक में वर्णित प्रकरण की परिभाषा दीजिए।

14. Write a short note on Wayang of Indonesia.
इंडोनेशिया के वायांग पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

15. Give your opinion about whether the Indian Classical Dance forms can imbibe any contemporary issues.
क्या भारतीय शास्त्रीय नृत्य समकालीन विषयों को आत्मसात करते हैं? इसके संबंध में अपने विचार प्रकट कीजिए।

16. "The character Abhimanyu of Mahabharata is adopted in Indian Dance Drama from time to time" - Discuss.
भारतीय नृत्य एवं नाटकों में समय-समय पर महाभारत के पात्र अभिमन्यु के चरित्र का चित्रण किया गया है। चर्चा कीजिए।

17. Who according to Bharata is an Ideal Audience ?
भरत के अनुसार आदर्श दर्शक कौन है?

18. What is Vikrusta Madhyama according to Natya Shastra ?
नाट्य शास्त्र के अनुसार विक्रुस्ता मध्यमा क्या है?

19. Explain the role of colours in costume Designing.
वेशभूषा को तैयार करने में रंगों के महत्व के बारे में बताइए।

20. Write about 'Lasya'.
'लास्य' के बारे में लिखिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the elective/ specialisations. The candidate has to choose only one elective/ specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

ELECTIVE - I / ऐच्छिक - I

DANCE / नृत्य

21. Discuss the Influence of Indian Culture on Western Choreographers.
पाश्चात्य नृत्यकलाकारों पर भारतीय संस्कृति के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

22. What is Creative Dance ? Analyse with examples referring to the Theory of Aesthetics.

सर्जनात्मक नृत्य क्या है? सौन्दर्य सिद्धान्त से उदाहरण देते हुए विश्लेषण कीजिए।

23. Compare any three Classical Dances of India in terms of their Origin, Technique and Presentation.

उद्‌भव, तकनीक और प्रस्तुति की दृष्टि से तीन भारतीय परम्परागत नृत्यों की तुलना कीजिए।

24. State the different traditional and folk dance forms of North-East India and point out their uniqueness in their presentation

उत्तर भारत के परंपरागत और लोक नृत्यों में अंतर बताइए और उनकी प्रस्तुति की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।

25. How far do you think Sets and Lights Complement a Dance Production - Explain in the context of both Solo and Group Performances.

नृत्य की प्रस्तुति में सेट (व्यवस्था) और प्रकाश एक दूसरे के पूरक हैं। इस संबंध में आप क्या सोचते हैं। एकल और समूह प्रस्तुति दोनों के संदर्भ में विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

ELECTIVE - II / ऐच्छिक - II

DRAMA / नाटक

21. "Shakespearean Plays were written for Elizabethan Stage" - Discuss.

'शेक्सपियर के नाटक एलिजाबेथ रंगमंच के लिए लिखे गए थे।' विवेचन कीजिए।

22. What is the difference between a Playwright and a Dramatist ?

नाट्यलेखक और नाटककार में क्या अन्तर है?

23. There are two opinions :

(i) "Crisis is the Soul of Drama".

(ii) "Conflict is the Soul of Drama" - Discuss.

इन दों मतों पर विचार कीजिए :

(i) ''संकट स्थिति नाटक की आत्मा है।''

(ii) ''संघर्ष नाटक की आत्मा है।''

24. Do you think Stanislavski's "Psycho technique" is still relevant in acting - Give specific reasons for your opinion.

क्या आप सोचते हैं कि स्तानिस्लाविस्की की पुस्तक 'साइकोटैक्नीक' आज भी अभिनय में महत्वपूर्ण है – इस संबंध में विशिष्ट कारण देते हुए अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

25. "The literary value is deteriorating in the present context of Indian Theatre" - Discuss.

''भारतीय रंगमंच के वर्तमान संदर्भ में साहित्य मूल्य का ह्रास हो रहा है।'' स्पष्ट कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

ELECTIVE - I / ऐच्छिक - I

DANCE / नृत्य

26. Discuss the present condition of Indian Dance based on the following statements :

(i) Classical Dances do not attract the Young Generation.

(ii) Television is constantly telecasting film Dances.

(iii) Mushrooming of "Western Dance" Schools.

(iv) Lack of Sponsorship and Publicity for traditional Dances.

निम्नलिखित कथनों के आधार पर भारतीय नृत्य की वर्तमान स्थिति को स्पष्ट कीजिए :

(i) पारम्परिक नृत्य युवा पीढ़ी को आकर्षित नहीं करते।

(ii) दूरदर्शन निरन्तर फिल्मी नृत्यों का प्रसारण कर रहे हैं।

(iii) 'पश्चिमी नृत्य' विद्यालयों की बाढ़ आ रही है।

(iv) परम्परागत नृत्यों के समर्थन और प्रचार का अभाव

OR / अथवा

ELECTIVE - II / ऐच्छिक - II

DRAMA / नाटक

26. Write an essay on the present day condition of Theatre in Your Region.

अपने क्षेत्र के रंगमंच की वर्तमान स्थिति के बारे में निबन्ध लिखिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....